
Shri Sita Rama Gitam

श्रीसीताराम गीतम्

Document Information

Text title : sItArAma gItam

File name : sitaramagiitam.itx

Category : gItam, raama, stotra, sItA, devii, devI

Location : doc_raama

Latest update : October 1, 2010

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 17, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Sita Rama Gitam

श्रीसीताराम गीतम्



कमल लोचनौ राम कांथनाम्बरौ
कवचभूषणौ राम कार्मुकान्वितौ ।
कलुषसंछारौ राम कामितप्रदौ
रहसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ १ ॥

मकरकुण्डलौ राम भौवसेवितौ
मण्डिकिरीटिनौ राम मञ्जुभाषिणौ ।
मनुकुलोद्भवौ राम मानुषोत्तमौ
रहसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ २ ॥

सत्यसम्पन्नौ राम समरभीकरौ
सर्वरक्षणौ राम सर्वभूषणौ ।
सत्यमानसौ राम सर्वपोषितौ
रहसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ३ ॥

धृताशिष्यिणौ राम दीनरक्षकौ
धृताभिमायलौ राम दिव्यविग्रहौ ।
विविधपूजितौ राम दीर्घदोर्युगौ
रहसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ४ ॥

भुवनजानुकौ राम पादधारिणौ
पृथुशिलीमुकौ राम पापनाश्रुणिकौ ।
परमसात्विकौ राम भक्तवत्सलौ
रहसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ५ ॥

वनविहारिणौ राम वल्कलांबरौ
वनकृवाशिनौ राम वासवार्थितौ ।
वरगुणाकरौ राम वालिभर्दनौ
रहसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ६ ॥

दशरथात्मजौ राम पशुपतिप्रियौ
 शशिनिकासिनौ राम विशदमानसौ ।
 दशमुभान्तकौ राम निशितसायकौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ७ ॥

कमल लोचनौ राम समरपण्डितौ
 भीमविग्रहौ राम कामसुन्दरौ ।
 दामभूषणौ राम डेमनूपुरौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ८ ॥

भरतसेवितौ राम दुरितभोयकौ
 करधृताशुगौ राम सूकरस्तुतौ ।
 शरधि धारणौ राम धीरकवचिनौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ९ ॥

धर्मयारिणौ राम कर्मसाक्षिणौ
 धर्मकार्मुणौ राम शर्मदायकौ ।
 धर्मशोभितौ राम कर्ममोदिनौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ १० ॥

नीलदेहिनौ राम लोलकुन्दलौ
 कालभीकरौ राम वालिमर्दनौ ।
 कलुषहारिणौ राम ललितभूषणौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ ११ ॥

मातृनन्दनौ राम भाद्रबालकौ
 भ्रातृ सम्मतौ राम शत्रुसूदकौ ।
 भ्रातृशेखरौ राम सेतुनायकौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ १२ ॥

शरधिबन्धनौ राम दलितदानवौ
 कुलविवर्धनौ राम बलविराजितौ ।
 सोलजाजितौ राम बलविराजितौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ १३ ॥

राजलक्षणौ राम विजय काङ्क्षिणौ

गज्वरारुढौ राम पूजितामरौ ।
 विजितमत्सरौ राम भजितवारणौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ १४ ॥

सर्वमानितौ राम सर्वकारिणौ
 गर्वभञ्जनौ राम निर्विकारणौ ।
 दूर्विभासितौ राम सर्वभासकौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ १५ ॥

रविकुलोद्भवौ राम भवविनाशकौ
 कानकाश्रितौ राम पादकोशकौ ।
 रविसुतप्रियौ राम कविभिरीडितौ
 रडसि नौमि तौ सीतारामलक्ष्मणौ ॥ १६ ॥

राम राघव सीता राम राघव
 राम राघव सीता राम राघव ।
 कृष्णकेशव राधा कृष्णकेशव
 कृष्णकेशव राधा कृष्णकेशव ॥ १७ ॥

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
 सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम ।
 सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
 सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम ॥ १८ ॥

This text is from the book Stutimanimala
 (pp 84-89) compiled by Kallidaikurichi
 Shri. K.S. Ramakrishna Sastrigal (1965).

The meaning of the first two stanzas of
 the stotram is as follows:

I salute in private Sitaram and Laxman
 who are lotus-eyed, wearing dresses with gold,
 armoury as ornaments , who destroy all filth,
 and who give all that are desired.

I salute in private Sitaram and Laxman
who wear the ear ring of makar, crown with
precious stone, sweet tongued, born of
illustrious clan of manu, and who are
exemplary citizens of human race.

There are 16 stanzas of similar types.


Two more stanzas are invocations of Ram and Krishna.

The tune is like that of Gopika Gitam.

Encoded by Prof. T. Madhavan (madhavan at Imahd.ernet.in)

——
Shri Sita Rama Gitam

pdf was typeset on September 17, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

